वित्त वर्ष 2024-25 की तृतीय तिमाही में 47 शहरों में आवास की कीमतों में वृद्धि: रा.आ.बैंक

- ***सभी 8 प्रमुख महानगरों (यथा अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई और पुणे) में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई।***
- ***वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान 47 शहरों ने सूचकांकों में वृद्धि दर्ज की।***
- ***मूल्यांकन के आधार पर 50 शहरों ने समग्र एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 7.2% की वृद्धि दर्ज की।***

भारत के आठ प्रमुख प्राथमिक आवासीय बाजारों में अक्टूबर -दिसंबर 2024 की अवधि के दौरान संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। अहमदाबाद (7.6%), बेंगलुरु (12.5%), चेन्नई (9.2%), दिल्ली (0.4%), हैदराबाद (5.9%), कोलकाता (8.3%), मुंबई (6.0%) और पुणे (7.4%) ने राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा प्रकाशित आवास मूल्य सूचकांक के अनुसार वार्षिक आधार पर सूचकांक में वृद्धि दर्ज की।

बैंकों एवं आवास वित्त कंपनियों (एचपीआई@आकलन मूल्य) से एकत्रित संपत्तियों के आकलन मूल्यों के आधार पर 50 शहरों के एचपीआई ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के दौरान 7.2% की वार्षिक वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 4.7% थी।

एचपीआई@आकलन मूल्य में वार्षिक परिवर्तन वाले शहरों में 33.09% (गुरुग्राम) की वृद्धि से लेकर 5.8% (तिरुवनंतपुरम) की गिरावट, में व्यापक रूप से भिन्न है।

50 शहरों में से, 47 में संपत्ति की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई जबकि 3 शहरों (तिरुवनंतपुरम, हावड़ा और लुधियाना) में संपत्ति की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई।

क्रमिक (तिमाही-दर-तिमाही) आधार पर, 50-शहरों के सूचकांक ने अक्टूबर -दिसंबर 2024 में 1.6% का विस्तार दर्ज किया। सूचकांक सितंबर-21 से तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एक बढ़ती प्रवृत्ति प्रदर्शित कर रहा है।

सूचकांक में 50 शहरों में से 42 शहरों में क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें नवी मुंबई में 8.3%, की उच्चतम क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, उसके बाद गुरुग्राम (7.2%), भुवनेश्वर (6.8%) और ग्रेटर नोएडा (6.1%) का स्थान रहा, जबकि तिरुवनंतपुरम में तिमाही के दौरान एचपीआई@मूल्यांकन मूल्य में 3.8% की अनुक्रमिक गिरावट दर्ज की गई।

© National Housing Bank